सेवाओं का कार्यक्षेत्र

मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हिमेटोलॉजी

- किमोथेरेपी
- इम्युनोथेरेपी
- बोन मेरो ट्रांसप्लांट
- पिडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी
- जीरियाट्रिक ऑन्कोलॉजी
- ऑन्कोलॉजी क्रिटिकल केर

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

- मुंह एवं गला
- स्तन
- जीआई, लंग एवं थोरैसिक
- सर्वाइकल एवं गायनेकोलॉजी
- प्रोस्टेट एवं जिनेटो-युरेनरी
- कोलोरेक्टल
- पेरिटोनियल
- ब्रेन, स्पाइन एंड बॉन
- लिवर एवं पैनक्रियाज

प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

- रेडिएशन थेरेपी

न्यूक्लीयर मेडिसिन

- पेट सीटी
- स्पेक्ट
- हाई-डोज रेडियोन्युक्लाइड थेरेपी

पेइन एंड पेलीएटिव केर

एनेस्थेसियोलॉजी

डॉ. राजेन्द्र बगवाडे
डॉ. योगेश टांक
डॉ. धर्मेन्द्रसिंह चावडा
डॉ. जिग्नेश मोरी

कार्डियोलॉजी

डॉ. केतन वेकरिया

इन्टरनल मेडिसिन

डॉ. ऋषिकेश शाह

मेडिकल ऑन्कोलॉजी एंड हिमेटोलॉजी

मेडिकल ऑन्कोलॉजी एंड हिमेटोलॉजी

डॉ. पंकज शाह
डॉ. दिलीप श्रीनिवासन
डॉ. मिथुन शाह
डॉ. नहुष टहिलियाणी

बॉन मेरो ट्रांसप्लांट एंड हिमेटोलॉजी

डॉ. निधि जैन

ऑन्कोक्रिटिकल केर

डॉ. मृगांक भावसार

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

मुंह एवं गला

डॉ. महेश पटेल
डॉ. सिद्धार्थ शाह

जीआई, लंग एंड थोरैसिक

डॉ. महेश डी. पटेल

जीआई, पेरीटोनियल गायनेकोलॉजी

डॉ. अदिति भट्ट

स्तन कैंसर

डॉ. प्रियंका चिरिपाल

युरो ऑन्कोलॉजी

डॉ. मुकेश पटेल
डॉ. कमलेश पटेल
डॉ. कौस्तूभ पटेल

न्यूरो ऑन्कोलॉजी

डॉ. दीपक पटेल
डॉ. कल्पेश शाह

स्पाइन कैंसर

डॉ. हितेश मोदी

ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी

डॉ. जयमीन शाह

प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

डॉ. रघुवीर सोलंकी
डॉ. जतीन कुमार भोजाणी

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

डॉ. सदीप जैन

न्यूक्लीयर मेडिसिन

डॉ. सनी गांधी

पेइन मेनेजमेंट

डॉ. मिलन मेहता

रेडियोलॉजी

डॉ. अमी पंचाल
डॉ. श्वेता ठक्कर

पुनर्निर्माण ज़ायडस कैंसर सेन्टर पर ही क्यों?

ज़ायडस कैंसर सेन्टर में ही संपूर्ण गुजरात के सर्वाधिक समर्पित एवं अनुभवी कैंसर पुनर्निर्माण प्लास्टिक सर्जन है। प्लास्टिक सर्जरी विभाग में सर्वाधिक अनुभवी कैंसर शल्य-चिकित्सक हैं तथा यहाँ सर्वश्रेष्ठ सूक्ष्मदर्शी व्यवस्था एवं अधोसंरचना है, जिससे ट्यूमर की समुचित निकासी एवं सर्वोत्तम पुनर्निर्माण सुनिश्चित होता है। हमारा लक्ष्य यही है कि सभी कैंसर रोगी अपना जीवन पूरी आशा, हिम्मत एवं प्रसन्नता के साथ जीएँ, चाहे वे किसी भी अवस्था में हों। उपयुक्त पुनर्निर्माण से उनका आत्मसम्मान तथा आत्मविश्वास लौटेगा तथा वे सामाजिक तौर पर स्वीकार्य होंगे।

अपना एपॉइंटमेंट बुक करने के लिए, कॉल करें :
+91 72290 47022 / 21

ज़ायडस कैंसर सेन्टर
ज़ायडस हॉस्पिटल रोड, एस.जी. हाईवे,
थलतेज, अहमदाबाद - 380 054, गुजरात.
बोर्ड लाइन: 079-71 666 000

Zydus Hospitals Cancer Centre

प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण कैंसर शल्यक्रिया विभाग

कैंसर के प्रबंधन में प्लास्टिक सर्जरी की क्या भूमिका है?

कैंसर उपचार के एक हिस्से के रूप में, कई बार शरीर के किसी हिस्से को निकाल दिया जाता है, जिससे उस अंग का प्रकार्य तथा उसकी दिखावट पर बड़ा असर पड़ता है। ऐसे मामलों में प्लास्टिक सर्जरी संबंधी उपचार का मुख्य लक्ष्य इन शारीरिक हिस्सों के प्रकार्य एवं इनकी दिखावट को बहाल करना होता है। उदाहरण के लिए, मुँह के कैंसर में जब ट्यूमर को बिना उपयुक्त प्लास्टिक सर्जरी किए निकाला जाता है, तो निगलने, बोलने और चेहरे की दिखावट पर बड़ा प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

शरीर के किन कैंसर प्रभावित हिस्सों का पुनर्निर्माण प्लास्टिक सर्जरी से किया जा सकता है?

- जुबान
- बकल म्यूकोसा
- जबड़े की हड्डी
- तालू
- ग्रीवा ग्रासनली (सर्वाइकल एसोफेगस)
- होंठ
- स्तन
- सीना एवं उदर भित्ति
- कोई हड्डी संबंधी दोष

कैंसर के प्रबंधन में कौन-कौन सी प्लास्टिक सर्जरी प्रक्रियाओं का उपयोग किया जा सकता है?

१) स्किन ग्राफ्ट

२) फ्लैप सर्जरी – पैडिकल और फ्री फ्लैप्स

कैंसर पुनर्निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली नवीनतम प्लास्टिक सर्जरी तकनीकें कौन-कौन सी हैं?

कैंसर वाली जगह के पुनर्निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली सबसे आम और नई तकनीक है फ्री माइक्रोवैस्क्युलर टिशू ट्रांसफर (फ्री फ्लैप सर्जरी)। यह एक प्रकार का ऊतक प्रत्यारोपण है, जो किडनी और लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की तरह ही होता है। इसमें मुख्य अंतर यह होता है कि इसमें रोगी के अपने शरीर के हिस्से, चाहे वह त्वचा हो, मांसपेशी हो या फिर हड्डी हो, को ही उन्हें रक्तकी आपूर्ति करने वाली रक्तवाहिकाओं के साथ लिया जाता है। इन ऊतकों को आवश्यक जगह पर प्रत्यारोपित किया जाता है, टाँकों से अच्छी तरह लगाया जाता है और उनकी रक्तकी आपूर्ति करने वाली रक्तवाहिकाओं को स्थानीय तौर पर उपलब्ध रक्तवाहिकाओं के साथ सूक्ष्मदर्शी के उपयोग से एवं महीन टाँकों की मदद से जोड़ा जाता है, जो कि मनुष्य के बाल से भी अधिक बारीक होते है।

क्या ये फ्री फ्लैप सर्जरियाँ सुरक्षित होती हैं? इन्हें कौन कर सकता है?

इस प्रकार की सर्जरियाँ ऐसे अनुभवी प्लास्टिक सर्जनों के द्वारा ही की जानी चाहिए, जिन्हें इस प्रकार की जटिल प्रक्रियाएँ करने का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त हुआ हो। ऐसे अनुभवी प्लास्टिक सर्जनों के हाथों में ये सर्जरियाँ पूरी तरह से सुरक्षित होती हैं।

पारंपरिक तकनीकों के मुकाबले फ्री फ्लैप सर्जरी के क्या-क्या फायदे हैं?

- बेहतर और जल्दी रिकवरी
- बेहतर फंक्शनल और कॉस्मेटिक नतीजे
- इसमें व्यापक उच्छेदन (रिसेक्शन) संभव है
- दानदाता स्थल पर कम से कम रुग्णता
- हड्डी संबंधी पुनर्निर्माण संभव, जैसे जबड़े की हड्डी का पुनर्निर्माण पैर की हड्डी (फाइब्यूला बोन) से संभव है

शरीर के किस हिस्से से फ्रीफ्लैप लिए जा सकते हैं?

जुबान और बकल म्यूकोसा के पुनर्निर्माण के लिए फ्रीफ्लैप बाँह, पैर या जाँघ की त्वचा से लिए जा सकते है। जबड़े की हड्डी के पुनर्निर्माण में कम पड़ रही हड्डी को पैर की हड्डी (फाइब्यूला) से लिया जाता है। ग्रीवा ग्रासनली (सर्वाइकल एसोफेगस) के पुनर्निर्माण में छोटी आँत (जेजुनम) के हिस्से का उपयोग किया जाता है।

क्या मुंहएवं गले के कैंसर रोगी, जो पहले ही शल्यक्रिया करवा चुके हैं, वे ये सुधारात्मक पुनर्निर्माण प्रक्रियाएँ करवा सकते है?

जिन रोगियों ने अपने मुंह एवं गले के कैंसर के लिए पहले से शल्यक्रिया करवा रखी है, पर जिनमें मुख विकृति है, वे फ्री फ्लैप सर्जरी या लाइपोसक्शन करवा सकते हैं।

स्तन पुनर्निर्माण का लक्ष्य क्या है?

स्तन कैंसर के उपचार के एक हिस्से के रूप में, जब पूरा स्तन या उसका कोई हिस्सा निकाल दिया गया है, और अगर इसका पुनर्निर्माण नहीं करवाया गया है, तो ऐसी महिला रोगियों में आजीवन मनोवैज्ञानिक आघात रहता है। यह आघात अपने स्तन के न रहने या उसके विकृत होने का होता है। प्लास्टिक सर्जरी संबंधी तकनीक का लक्ष्य विभिन्न प्रकार की प्लास्टिक सर्जरी तकनीकों की मदद से नए स्तन का पुनर्निर्माण करके उनके आत्मविश्वास एवं स्त्रित्व को लौटाना होता है।

स्तन के पुनर्निर्माण के लिए उपलब्ध तकनीकें कौन-कौन सी हैं?

१) छोटे और स्थानीय ट्यूमर में, जहाँ स्तन पारंपरिक शल्यक्रिया की जाती है, पुनर्निर्माण लेटिसिमस डोरसी फ्लैप (एलडी फ्लैप) की मदद से किया जाता है, जिसे पीठ से लिया जाता है, या कुछ मामलों में आकृति को बहाल करने हेतु स्थानीय ऊतक को ही पुनर्व्यवस्थित किया जाता है, जिसे ब्रेस्ट ऑनको प्लास्टिक तकनीकें कहा जाता है।

प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण शल्यक्रिया

डॉ. रघुवीर सोलंकी

MS, M.Ch. (Gold Medalist)
Fellow, TMH, Mumbai
MD Anderson Cancer Centre,
Houston, Texas, USA

डॉ. जतिनकुमार भोजानी

MS, M.Ch. · Plastic Surgery

२) जब पूरे स्तन का ही पुनर्निर्माण करना होता है, तब या तो डीआईईएपी फ्लैप (जहाँ रोगी की उदर भित्ति से लिए गए उसके स्वयं के ऊतकों का ही उपयोग किया जाता है) या इंप्लांट्स का उपयोग किया जाता है. डीआईईएपी फ्लैप के साथ बेहतर दीर्घकालीन नतीजे मिलते है।

रोगी ऐसी पुनर्निर्माण प्रक्रियाएँ कब करवा सकते हैं?

स्तन कैंसर निकासी शल्यक्रिया के समय इसके सर्वोत्तम नतीजे मिलते हैं। पर ऐसे रोगी, जिन्होंने पहले मास्टेक्टॉमी करवा रखी है, वे भी किसी भी समय पुनर्निर्माण प्रक्रिया करवा सकते हैं।